

कर्म अदाकार

मुकाम

बसाव

कर्म सुकरवा

व

सम्

काल क्रम	कर्म का वर्णनीय रूप स्थितिगत रूप	कर्म का वर्णनीय अवस्था को रूप कर्म को वर्णनीय के लिये रूप
25 22 22	<p>पत्रावली पैरा 22 उभय पक्ष उपरिष्ठा प्रकला के मूल वाक में इस व्याख्या के आदेश दिनांक 23-24 के संसद उचोच होने से मूल पत्रावली व्याख्या भीमान राजत्व संसद राजत्व राजमेर के प्रेषित कि गई है सुसजा पत्रावली 17-22 25 को पैरा है।</p>	
17-22 25	<p>सुसजा पत्रावली पैरा 22 उभय पक्ष उपरिष्ठा प्रकला में व्याख्या भीमान राजत्व राजमेर के मूल क्र.सं/टीउ/निग/20 24/70 26/विश्वोपगठ/12-12-24/553/ दिनांक 18-10-24 के आदेश की चालना में मूल पत्रावली प्रेषित कि जा चुकी है। मूल वाक के अभाव में सुसजा पत्रावली पैरा संख्या होकर नम्बर संकम है।</p>	

५

५